



Item Code:

645

Participant Code:

113

कोविड काल में बदला समाज

2019 वर्ष के पहले हमने कोई ऐसी महामारी के बारे में सोचा नहीं होगा। हम सब जानते हैं कौनसा महामारी जिसने हमारे दुनिया को इतना बदला की लगाव एक साल तक हम बिना काम के घर पे बैठ रहा था।

इस महामारी ने सभी क्षेत्र में लगाव एक साल तक कोई काम करने दिया। उस वक्त हम पूरे दुनिया को बता रहे थे कि कैसे इस महामारी को बर्बाद है। एक महा कविवर का ये कथन कोविड वैरस के जाने का बाद भी हम हृदय से स्वीकार करते हैं।

“ घर में बैठो रोज!”

कोविड को बर्बादो दुनिया से”

हम सब इस महामारी जाने का बाद बिल्कुल डर गये। कई लोगों का जान भी चला गया था इसके कारण। और कई लोग उसे बच निकले। पर लेकिन इस कोविड महामारी ने हमारे समाज को बदलके रख दिया और क्या-क्या सुसी बात इसके कारण हुआ हम नहीं जानते।



Item Code: 645

Participant Code: 113

कोविड के साथ-साथ परिस्थितियाँ बदली तथा समाज और राजनीति में भी कई बदलाव आया। सबसे ज्यादा नुकसान उ.टी [गु.प] क्षेत्र में हुआ। क्योंकि उस क्षेत्र में काम करने वाले लोग ऑफिस नहीं जा सकता था और उन्हें पूरा दिन घर पे लेपटाप के सामने बैठना पड़ता था। इसके कारण उस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों का शारीरिक और मानसिक रूप में दबाव में पड़ जाते हैं। बिना काम करने वाले लोगों को बिना ऑफिस कम्पना नहीं कि जा सकती जैसे 'बिना पानी के नदी'।

लेकिन कोविड ने हर क्षेत्र मुसीबत नहीं खड़ा किया परंतु 'विज्ञान' के क्षेत्र में हमारे राष्ट्र और पूरी दुनिया को बहुत सारी सफलता दिलाया। जैसे उस महामारी के कारण हम उसे बचने वाला 'वैक्सिन' आविष्कार किया जिसे हमें नहीं 'सीधियाँ और मंजिल में पहुँच सका'। इनमें संबंधित काम करने वाले लोगों को और समय मिला जिसे वह नये नये उपकार का खोज करने के लिये।

(Note: Graded Items may be published in **Schoolwiki**. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)



Item Code:

645

Participant Code:

113

“कभी-कभी बुरे चीजें”

कई लोगों के लिये बहुत काम आते हैं।

ये पंक्तियाँ हमारे पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलम कदा हैं। इसका यहाँ उपयोग करना बिल्कुल ठीक है। क्योंकि कई क्षेत्रों में कोविड आने का बाद बहुत बुरासात हुआ लेकिन कई क्षेत्रों में सफलता भी हासिल किया है जैसे शिक्षा, यथायात, आदि इन क्षेत्रों में हमारा राष्ट्र बहुत सफल हुआ। और 'डैरी [9.5]', रेलवे, आदि में बहुत यत्नशा ~~कर~~ काम करने उस वक़्त।

सफलता :- कोविड के बाद समाज में क्या-क्या बदलाव आया है उसे इस दौर से पर्याप्त होते हैं”

“कई-कई ख़ास आते हैं हमारे जीवन में क्योंकि मंजिल पाते थे जल्द ही हैं”।

समाज में सबसे बड़ा बदलाव का आरंभ शिक्षा के क्षेत्र में से शुरू हुआ। महामारी आने के पहले हम विद्यार्थी शिक्षा उपलब्ध करने के लिए बिना स्कूल जाना पड़ता था। लेकिन महामारी का बाद हम घर में बैठकर ही शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं और कम समय ही हमारा बरबाद होता है। लगे और शिक्षक इस प्रकार



Item Code: 645

Participant Code: 113

क्षमता:-

असानी से मोबाइल के माध्यम से पढ़ और पढ़ा सकते हैं ये बहुत काम का चीज बना इसके बाद। इस क्षेत्र में ही नदी यथायात और राष्ट्रीय क्षेत्र में भी बहुत फायदा हुआ। कोविड के समय पर सब जगह बंद हुआ करता था इसके कारण लोग बाहर नदी निकल सकते थे। अतः गाड़ी भी नदी उपयोग कर रहे थे कोई इसके कारण शोडों में बिना बिजकुल शांत था और सरकार भी उस समय कई शोडों का विकास के काम किया क्योंकि हमारे अड़के और मजबुत बनने के लिए सरकार इसानी राष्ट्रीय से नेता बहुत कुछ उस समय में कर सका जो हमारे उन्नती और विकास के लिए आने वाला समय में काम आया।

इसके कारण जो 'लोकडाउन' 'lock-down' शानी कोई बाहर नदी जा सका इसके कारण गाड़ीयों का भी उपयोग काम हो गया और हमारे पास के शहर - गाँव सब कुछ प्रदूषण के बिना अच्छा चल रहा था। और हम कोविड आने का बाद इतना ज्यादा से ज्यादा समय हम परिवार के साथ बिताया और ये हमारे लिए बहुत अच्छा अनुभव था।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)



Item Code:

645

Participant Code:

113

अनुमान:- सब मानते हैं कि समाज में कोविड के काल में सफलता से ज्यादा अनुमान ही हुआ हो भी कई क्षेत्रों में। कई लोगों का मासूमियत जान शानी जीवन भी इस कोविड महामारी के कारण गया। और उस समय में कई लोगों का काम चला जाने पर उनका परिवार 'घोर दरिद्रता' में चला। हम किसी से मिल नहीं सकते थे उस काल में। कई लोग शारिरीक-और मानसिक रूप में दबाव में आया। रेलवे और पोलिस में काम करने वाले लोगों को बहुत तरह की सुसीवात का सामना करना पड़ा जैसे 'नाइट पैट्रोलिंग' आदि। और बच्चे भी कोविड काल के पदले के जैसा बादर जाकर नहीं खेल सका और उसके कारण सारे समय में मोबाइल में अपना समय गुजारा जो उनके लिए बहुत सुसीवात बढ़ा करने वाला चिन्त बन गया।

हम सबको मालूम है कि हम कैसे अपना समय गुजारा कोविड काल में। सारा दुनिया मुकदम से रुक गया और पदली जैसा ठीक होने में बहुत ही समय लगा।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)



Item Code:

645

Participant Code:

113

कोविड का चरित्र :-

कोविड सबसे पहले चायना (China) में रिपोर्ट किया था। तब सभी ने उसे ज्यादा ध्यान नहीं दिया लेकिन धीरे-धीरे ये सभी दुनिया में फैल गया और पूरा दुनिया को उसका कब्जे में लेके आया।

सबसे ज्यादा मुसीबत यु.एस. को कोविड काल में सबसे ज्यादा तकलीफ हुआ क्योंकि उन्होंने उसे ज्यादा ध्यान नहीं दिया उसका तरफ और लोग भी सरकार का बात नहीं माना। फिर सरकार ने लोगों को घर में बंद करने के लिए कहा था पर कोई नहीं माना और उसका परिणाम बुरा पड़ा। कोविड काल में सबसे ज्यादा बुकसान यु.एस. (वि.इ) को हुआ और सबसे ज्यादा लोग उधर ही मरा।

कोविड काल में ~~सबसे~~ हम सब तकलीफ को का सामना करके उसे जड़ से उखाड़ दिया है अब लेकिन हमें अभी-भी सावधान रहना चाहिए क्योंकि कभी-भी उसका दूसरा वेरस दुनिया में आ सकता है।



Item Code:

645

Participant Code:

113

“ कोविड समय में मत जाओ बाहर ”

घर में रहकर भावधान रहो हर वार!

कोविड काल में समाज में ये नारा सब पुकार रहे थे क्योंकि सबको जागरण करने के लिए कि हमारा स्वास्थ्य को अच्छी तरह संभालने के लिए।

कोविड काल समाज में आने पर हमारी अंदर बहुत तरह की बदलाव आया था। जैसे कि वैदिक युग भारतीयों ने कैसे अपने संस्कृति बनाकर रखकर उस समय में उसे महामारी का नाम-निशान नहीं दी था। पहले के भारतीयों संस्कृति हम भारत में और लकी और राज्यों में भी ले आया। जैसे कि

बाहर जाने का बाद मुँह और पैर दोना और अपना शरीर को पानी से पोछना और किसी-किसी से मिलने का वक्त हम “नमस्ते” कर रहे थे क्योंकि उसे करने पर बीमारी नहीं फैलता था। कोविड

कितना अचानक खप ले रहा था उसे ही हम हमारे वैदिक और प्राचीन काल के संस्कृति कि को फिरसे जन्म दे रहा था। इसे पूरा दुनिया अपनाते शुरू कर दिया।



Item Code:

645

Participant Code:

113

कोविड काल में हम बहुत तरह की चुनौती का
और सफलता अपनाया। कोविड काल का खतम होने का
बाद ही हम उसे मिली थीय जीवन भर थोद खेचें
और क्या-क्या बदलाव समाज में कोविड महामारी
के कारण आया उसे इसके बाद ही अपनाउंगे।
कोविड काल ने हमें बहुत तरह की सीख दिया है।
इस समय पर ~~कठिन~~ महा कठिन का दो पंक्तियाँ
यह प्रचालित करने के लिए पर्याप्त है।

66 जीवन हमें क्या-क्या सीख दिया है
उसे कभी-नहीं भूलना चाहिए क्योंकि
एक दिन वोदि सीख हमारे

काम आयेगा।

ये पंक्ति हम हमारे जीवन कभी-भी
नहीं भूलना चाहिए क्योंकि हमें हम नहीं जानते
फिर दुबारा उसी कोविड महामारी आयेगा
य नहीं।

कोविड को इतना भी काम करने के लिए हमें
पिछे बहुत लोग काम किया है। उनके शरीर
हमें बिना उन्होंने कोविड महामारी का सामना किया।



Item Code: 645

Participant Code: 113

उन्के कारण दि दम अभी अच्छे से रहे पा रहे है। कोविड काल के समाज में ऐसे विर और बहादुर योद्धा का जन्म हुआ जो अपने फिकर नहीं करके अपना देश को बचाने के लिए काम करने वाले लोग है।

कोविड काल के समाज में सबकुछ बिल्कुल शांत हुआ जिसने सभी के ऊपर शारीरिक और मानसिक दबाव ले आया। उस समय के समाज में कई लोगों का आत्मविश्वास चला गया क्योंकि वह कोविड से डरे गया।

लेकिन कई राज्य ऐसे भी था जिसमें कोविड कुछ नुकसान नहीं किया लेकिन बहुत सफलता के ओर चला गया जैसे ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़िल आदि जिनोंने उस समय अपने राज्य अर्थ व्यवस्था और ~~सबकुछ~~ संजकूर किया।

लेकिन कई ऐसे राज्यों भी है जिनका अर्थ-व्यवस्था बिल्कुल विर गया जैसे थायलैंड, यु.एस., यु.के आदि उन्होंने ऐसे भी कई अन्य तरह से भी उनका नुकसान हुआ।



Item Code:

645

Participant Code:

113

कोविड काल में समाज में आया सबसे बड़ा बदलाव था कि सब लोग किसी डू और की मुश्किल में उनका काम किया जो कोविड काल के पहले ~~हो~~ हम ~~अच्छे~~ नहीं देख पाते थे। समाज में लोग काम लतोरने लगा। जो सब लोग को काफी मददपूर्ण सुविधा निभायी। उसी से ही बाकी लोग दूसरों को मदद करने शुरू किया और मालूम हुआ 'उकता की ताकत'।

कोविड काल का ठीक पहले उद्दे 'उकता' का मददपूर्ण समाज नहीं आया लेकिन कोविड आने पर मालूम ~~हो~~ हो गया। कोविड आने से या धीरे-धीरे आने होने का समय में भी समाज के लोग बढ़ जा रही रखा।

कोविड काल में समाज में आया सबसे मददपूर्ण बदलाव ऐसा कि लोग वैदिक युग ~~के~~ के भारतीयों संस्कृति को अपनाने लगे और धीरे-धीरे उसका अहमियत का बता चला। जैसे ही बदलाव हमारे जीवन में बदल काम आया।



कोविड काल का उसे बदलाव हमारे समाज में बहुत काम आया। सब मानते हैं कि कोविड काल पूरा दुनिया में ~~हमारे~~ के चरित्र का सबसे बुरा काल था। ~~हम~~ लेकिन हम उस समय में क्या-क्या हमारे फायदे का काम आया वो देखकर और उसे अपनाकर जीवन में हमारा स्वास्थ्य का भयावह रचना चाहिए। और बुरी-बुरी सीख को पहचानकर उसे कैसे ठीक कर सकते हैं उसमें ध्यान देकर काम करना चाहिए।

“कोविड काल जीवन का एक उतर-चढ़ाव का एक काल था। जो उसे पार करेगा वह आगे बढ़ेगा और जो उसे नदी पार कर पाया वह जिंदगी में कभी-~~भी~~ भी आगे नदी बढ़ेगा।”

इसे धाद रखकर हम जीवन में और आगे बढ़ना चाहिए। ~~कोविड~~

कोविड काल में ज्यादा तर गंदा था बुरा स्थिति में हम चले लेकिन उसमें से भी हमें बहुत कुछ सीखना मिला। वो जीवन में बहुत काम आयेगा और उसे अपनाना भी चाहिए।

Item Code: 645

Participant Code: 113

कोविड काल का व्यक्ति उसे एक व्यक्ति था जिसमें लोग समाज से बहुत दूर बढ़ा करते थे। उन्हें वादर का दुनिया का अनुभव नहीं कर सका जिस के कारण वह बहुत तबद के दबाव में आकर पैसा। और उस समय लोग ज्यादातर अपना व्यक्ति फोन का सहायता से गुजारा था। ~~जिस~~ जिस के कारण वह बहुत ही अपराध करने का मनोभव में आकर पैसा पर ~~कर~~ कई लोग इसमें फँस भी गये थे।

मौबदिल एक दुनिया कोविड काल में सब लोग इस्तमान कर रहे उपकार में थे। लोगों का शरीर उसकी कारण बहुत दबाव आ चुका था। बड़े से छोटे बच्चों भी इसमें उनका समय गुजर रहा था। जिसके कारण बहुत ही अतरनाक चीजों में वह फँस गए। उनका दिमाग और शरीर ठीक से काम नहीं कर रहा था। क्योंकि वह वादर के दुनिया में नहीं जा सकते थे। लोगों में इसे 'मनोवृत्ति' बनाया जो लोगों से बात करना वह नफरत करने लगा और ज्यादा समय फोन में गुजारा।

(Note: Graded Items may be published in **Schoolwki**. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)



61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023

Kozhikode

Item Code:

645

Participant Code:

113

कोविड काल में बहुत तरह की अक़ुषाद
दे दिया है हम उसे अपनाता चाहेजि जिवन में

~~कर्मका~~

धन्यवाद

(Note: Graded Items may be published in **Schoolwki**. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Page No :

13